वरुण चक्रवर्ती हो सकते है अच्छा विकल्प

शिवरामाकृष्णन का यह कहना है कि भारतीय टीम को श्रीलंका दौरे में वरुण की तरफ देखना चाहिए। इसी के साथ–साथ उन्हें आने वाले टी–20 वर्ल्ड कप में उन्हें मौका भी देना चाहिए। लक्ष्मण का यह भी कहना है कि टीम को दूसरे विकल्प तलाशने चाहिए, इसके अलावा लक्ष्मण का यह भी मानना है कि अगर वरुण अपनी फिटनेस पर ध्यान देते है तो उनको टी–20 वर्ल्ड कप खेलने का मौका भी मिल सकता है।

भारत को नए बोलिंग विकल्प तलाशने होंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अगर हम भारतीय टीम की बाते करें तो भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव हाल में अपनी फॉर्म में नहीं दिखे है और उन्होंने वाइट बॉल क्रिकेट में संघर्ष भी किया है। ऐसे में अब उनकी किस्मत आने वाले श्रीलंका दौरे और बचे हुए आईपीएल पर टिकी हुई है। यह कहने में किसी को कोई संकोच नहीं कि युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव कमाल के बॉलर हैं, लेकिन पूर्व भारतीय लेग स्पिनर और कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने का ऐसा मानना है कि युजवेंद्र चहल की जगह वरुण चक्रवर्ती अच्छा प्रदर्शन करेंगे। लक्ष्मण शिवरामाकृष्णन का ऐसा मानना है कि पिछले कुछ सालों से बल्लेबाज चहल की गेंदों को अच्छे से समझ चुके है। जिसकी वजह से बल्लेबाज उनकी गेंदों का आसानी से सामना कर सकता है इसलिए वह चहल को यही सलाह देना चाहते है कि अपनी गेंदबाजी में कुछ परिवर्तन करें और नए वेरिएशन पर काम करें।

आप अभी क्या कर रहे हैं और आपका फॉर्म कैसा है

क्रिकेट

कोहली किसी खिलाड़ी को अपनी टीम में कब करते हैं शामिल, कैफ का खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज मो. कैफ ने विराट कोहली की कप्तानी के बारे में खुलकर चर्चा की। कैफ से पूछा गया कि श्रीलंका के खिलाफ क्रिकेट सीरीज और आइपीएल 2021 पार्ट टू के बाद क्या ये क्लीयर हो जाएगा कि, टी20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम क्या हो सकती है। इसका जवाब देते हुए कैफ ने साफ तौर पर कहा कि, इस टीम इंडिया में कोई स्पष्टता नहीं है। एक कमेंटेटर के तौर पर भी हम ये बात करते हैं कि, टीम में स्पष्टता होनी चाहिए। अब भारतीय टीम उस तरह से नहीं खेलती, आप मान लो ना।

कैफ ने आगे कहा कि, कोहली का ऐसा तरीका नहीं है। वो देखते हैं कि, भाई कल कौन फॉर्म में आया और उसे प्लेइंग इलेवन में शामिल कर लेते हैं। ये विराट कोहली की कप्तानी का अपना तरीका है। कोहली अब तक भारत को आइसीसी खिताब जीता पाते हैं या नहीं आप उनको इस पर जज करिए और अब तक तो वो ऐसा नहीं कर पाए हैं। कोच या टीम मैनेजमेंट भी कोहली की तरीके को ही फॉलो करती है। इस टीम को खिलाड़ी के पिछले प्रदर्शन में कोई रुझान नहीं होता।

कोहली का ये मानना है कि, आप अभी क्या कर रहे हैं और आपका फॉर्म कैसा है। तभी तो भारतीय टीम के लिए सूर्यकुमार यादव, इशान किशन खेले। शिखर धवन को ड्रॉप कर दिया गया और रोहित शर्मा को टेस्ट में मौका मिला। इस टीम में आपकी जगह पक्की नहीं है ये प्लेयर्स को भी मालूम है। ये पुरानी बात हो गई कि टीम में आपकी जगह पक्की है और खिलाड़ी भी इस बात को समझने लगे हैं। वो अब बस मौके का इंतजार करते हैं कि, जैसे ही मौका मिले उसे बस पकड़ना है।

कैफ ने सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में कहा कि, वो खिलाड़ी के पीछे खड़े रहते थे और पूरा मौका देते थे। जो लीडर होता है वो यही करता है, लेकिन विराट कोहली का ये तरीका नहीं है। गांगुली के पास उस वक्त ज्यादा ऑप्शन नहीं थे, आइपीएल नहीं था। उस वक्त 20–25 खिलाड़ी होते थे और उन्हीं में से वो चुनते थे क्योंकि उन्हें पता था कि, प्लेयर को बैक नहीं किया गया तो वो अपना बेस्ट नहीं दे पाएगा। कैफ ने कहा कि, हमारे समय में हमें ज्यादा मौके मिलते थे, लेकिन आज ऐसा नहीं है। खिलाड़ी के मन में डर है कि, वो कहीं बाहर ना कर दिए जाएं और ऐसे में वो प्रेशर में बिखर जाते हैं।

विरोधियों को मैट पर पटकने के लिए तैयार हैं सोनम मलिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। साल 2017 खत्म होने वाला था। ऐसा लग रहा था कि वह दोबारा मैट पर कभी नहीं उतर पाएगी। उनके दाएं कंधे की किसी नस में हुई परेशानी से दायां हाथ काम नहीं कर रहा था। युवा पहलवान सोनम मलिक के शरीर के दाएं हिस्से पर लकवा मार गया था। वह हाल ही में एथेंस, ग्रीस में वर्ल्ड कैडेट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर आई थीं। सोनम, 19 साल की हैं। तोक्यो ओलिंपिक में 62 किलोग्राम वैट कैटिगरी में वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी कोशिश मैट पर इतिहास रचने की है।

लकवा होने के चलते सोनम छह महीने तक मैट से दूर रहीं।

तोक्यो ओलिंपिक में 62 किलोग्राम वैट कैटिगरी में वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी

सोनम के कोच अजमेर मलिक ने बताया, वह अपना हाथ ऊपर नहीं कर सकती थीं। वह किसी चीज को ताकत के साथ नहीं पकड़ सकती थीं। उसके हाथ में कोई ताकत नहीं रह गई थी। डॉक्टरों ने साफ कह दिया कि उसे कुश्ती के बारे में भूल जाना चाहिए। सोचिए उसने उसके बाद जीवन कैसे बिताया होगा।

उसके पिता राजिंदर मलिक, जो खुद अपनी जवानी के दिनों में एक पहलवान थे, आजकल एक शुगर मिल में डिलिवरी मैन का काम करते हैं। उन्होंने सोनम की रिकवरी में अहम भूमिका निबाई। उन्होंने कहा, मेरी कमाई सीमित थी। मैं किसी बड़े शहर में किसी नामी डॉक्टर से उसका इलाज नहीं करवा सकता था। हमने उसे ठीक करने के लिए सिर्फ देसी (आयुर्वेदिक) पद्धति का ही सहारा लिया। मुझे लगता है कि भगवान चाहते थे कि सोनम दोबारा मैट पर उतरे। इसी वजह से वह सिर्फ छह मीने में ठीक हो गई। हालांकि सोनम का इलाज एक साल तक चलता रहा।

साल 2018 में सोनम मैट पर वापस लौटीं। उन्होंने एशियन कैडेट चैंपियनशनप में ब्रॉन्ज मेडल जीता और वर्ल्ड कैडेट चैंपियनशिप 2019 में उन्होंने एक और वर्ल्ड कैडेट गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वह सीनियर लेवल पर पहुंचीं और जल्द ही उन्होंने यहां भी अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी।

अब पंड्य की गाड़ी दोबारा पटरी पर द्रविड़ ही लौटा सकते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच होने जा रही लिमिटेड ओवर की सीरीज ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के लिए बेहद अहम होने वाली है। 18 जुलाई से तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज की शुरुआत होनी है। फिर इतने ही टी–20 मैच भी खेले जाएंगे। श्रीलंका के निचले और काफी धीमे ट्रैक्स हार्दिक पंड्या के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते है। अगर हार्दिक श्रीलंका के साथ होने जा रही लिमिटेड ओवर की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करते है और अपनी फिटनेस को साबित करते है तो उन्हें इंग्लैंड दौरे पर भी भेजा जा सकता है। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम का मानना है कि पंड्या को इंग्लैंड दौरे के लिए इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि वो टेस्ट जैसे लम्बे फॉर्मेट में ज्यादा देर तक बोलिंग करने के लिए फिट नहीं है। ऐसे में उनको यह ही सलाह दी जा सकती है कि फिलहाल अपना ध्यान टेस्ट क्रिकेट से हटाकर आने वाले ज–20 वर्ल्डकप पर हार्दिक पंड्या को फोकस करना चाहिए। सबा करीम ने यह भी कहा कि हार्दिक बिलकुल फिट होंगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो आने वाला वर्ल्ड टी–20 भारत जीत सकता है।

न्यूज डायरी

ऋषभ पंत कोरोना पॉजिटिव, हजारों की भीड़ में यूरो कप का मैच देखने गए थे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। आखिरकार वही हुआ जिसका डर था। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम के दो खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो जो दो खिलाड़ी संक्रमित हुए हैं, उनमें से एक विकेटकीपर ऋषभ पंत हैं। जिस दूसरे खिलाड़ी का नाम पता नहीं लग पाया है वह पॉजिटिव आने के बाद टेस्ट में निगेटिव भी आ चुका है। टाइम्स नाऊ ने अपने सूत्रों के हवाले से लिखा है, भारतीय विकेटकीपर का 18 जुलाई को टेस्ट होगा। साथ ही यह उनके आइसोलेशन का दसवां दिन भी होगा। इसका मतलब यह कि पंत को कोविड पॉजिटिव हुए एक हफ्ता हो चुका है। सूत्रों की माने तो दोनों खिलाड़ियों को ठंड, खांसी और बुखार जैसे हल्के लक्षण थे फिर टेस्ट में कोरोना वायरस की पुष्टि हो गई। हालांकि ऋषभ पंत की हालत पूरी तरह काबू में है। ऋषभ इस टीम के साथ नहीं जाएंगे। बबल में शामिल होने से पहले भी सभी खिलाड़ियों का टेस्ट किया गया है।

परेशान हेड कोच पोवार, अब चाहते हैं भारतीय महिला टीम में बड़े बदलाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वनडे सीरीज में हार के बाद टी–20 श्रृंखला में भी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को निराशा ही हाथ लगी। भारतीय समयानुसार बुधवार देर रात खेले गए तीसरे और निर्णायक टी–20 में इंग्लिश महिलाओं ने भारतीय टीम को आठ विकेट से हराया। 1–2 से टी–20 श्रृंखला गंवाने के बाद भारतीय हेड कोच रमेश पोवार का मानना है कि टीम में अब बड़े बदलाव की दरकार है। कोच पोवार ने मानसिकता में बदलाव या बल्लेबाजी मध्यक्रम में कुछ नए चेहरों को लाने के बारे में बात की जिन्हें टीम की प्रकृति के अनुसार ढाला जा सके। एकदिवसीय कप्तान मिताली राज को छोड़कर हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा, तानिया भाटिया और पूनम राउत जैसी बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए जूझना पड़ा। मिताली का भी स्ट्राइक रेट बहुत प्रभावी नहीं था। पोवार ने श्रृंखला खत्म होने के बाद कहा, 'मिताली अच्छी बल्लेबाजी कर रही है, लेकिन हमें कम से कम एक और बल्लेबाज से समर्थन की जरूरत है।

बड़ौदा से दीपक हुड्डा ने तोड़ा नाता, कुणाल पांड्या से हुई थी लड़ाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दीपक हुड्डा ने 2021 के घरेलू सत्र से पहले बड़ौदा का साथ छोड़ दिया है। उन्हें बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन ने एनओसी दे दी है। ऑलराउंडर का पिछले सीजन में सीनियर ऑलराउंडर और टीम के कप्तान क्रुणाल पांड्या के साथ झगड़ा हुआ था। इसके बाद जनवरी में उन्हें बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन ने निलंबित कर दिया था। उनके बड़ौदा की टीम छोड़ने पर टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने निराशा जताई है और बीसीए पर भड़क उठे हैं। हुड्डा के इस फैसले से आहात भारत और बड़ौदा के पूर्व स्टार इरफान पठान ने ट्वीट करके कहा, श्भारतीय टीम की संभावित सूची में शामिल खिलाड़ियों को कितने क्रिकेट संघ छोड़ेंगे? दीपक हुड्डा का बड़ौदा क्रिकेट छोड़ना एक बहुत बड़ी क्षति है। वह आराम से और दस साल और अपनी सेवाएं दे सकते थे, क्योंकि वह अभी भी युवा है। एक बरोडियन के रूप में यह पूरी तरह से निराशाजनक है!

बाबर आजम जब खेलते हैं तो मुगल–ए–आजम की तरह खेलते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आकाश चोपड़ा ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे इंटरनैशनल मैच में पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के खेल की तारीफ की है। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन पर वह काफी निराश नजर आए। बाबर आजम ने सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में 139 गेंद पर 158 रन की पारी खेली। चोपड़ा ने कहा, श्जब बाबर आजम खेलते हैं तो वह मुगल–ए–आजम की तरह खेलते हैं। अपने आखिरी वनडे इंटरनैशनल मैच में उन्होंने बहुत अच्छी साझेदारी की है। उन्होंने रिजवान के साथ बहुत अच्छी साझेदारी की। ऐसा लगा था कि उन्होंने जीत के लिए पर्याप्त रन बना दिए हैं।